

रजिस्टर्ड नं० एल०-३३/एस०एम०/१३-१४/९६.



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

निमला, बुधवार, ९ अक्टूबर, १९९६/१७ अक्टूबर, १९१८

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, १२ सितम्बर, १९९६

संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०-ए० (१) ६१/९२-II-४१०७-१२.—यतः खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड चौतड़ा, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने अपने पत्र संख्या क्रमांक १११(२०)/८८-पंच-११९० दिनांक २-९-१९९६ के अन्तर्गत सूचित किया है कि श्री बासुदेव उप-प्रधान ग्राम पंचायत पस्सल की मृत्यु दिनांक २८-८-१९९६ को हो गई है जिसके कारण ग्राम पंचायत पस्सल में उप-प्रधान का पद रिक्त हो गया है।

अतः मैं, तरुण श्रीधर, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 4 की धारा 131(2) (4) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्राम पंचायत पस्सल, विकास खण्ड चौतड़ा, जिला मण्डी में उप-प्रधान का स्थान रिक्त घोषित करता हूँ।

मण्डी, 20 सितम्बर, 1996

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-ए0(1) 127/95-II-4115-33.—अधिसूचना संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-ए0(1) 127/95-II-2314-2484, दिनांक 3-8-1995 जिसके अन्तर्गत जिला मण्डी में ग्राम पंचायतों के निर्वाचन हेतु पदों का अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति तथा महिलाओं के लिए आरक्षण किया गया था जिसमें विकास खण्ड चौतड़ा की ग्राम पंचायत चौतड़ा में एक सदस्य का पद अनुसूचित जन जाति के लिए वर्ष 1991 की जनगणना के आधार पर आरक्षित किया गया था। परन्तु खण्ड विकास अधिकारी चौतड़ा की रिपोर्ट के अनुसार इस समय अनुसूचित जन जाति की कोई जनसंख्या नहीं है।

अतः मैं, तरुण श्रीधर, उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 8(2) के अनुसार उपर्युक्त तथ्यों के आधार पर विकास खण्ड चौतड़ा की ग्राम पंचायत चौतड़ा के निर्वाचन क्षेत्र 1-चौतड़ा को अनारक्षित घोषित करता हूँ।

तरुण श्रीधर,
उपायुक्त,
मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

शिमला 29 अगस्त, 1996

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0 (4)-31/77-1009-1013.—यह कि अंकेक्षण पत्र ग्राम पंचायत बल्देहों अवधि 4/93 से 3/96 तक पंचायत की सामान्य रोकड़ एवं जवाहर रोजगार योजना लेखों के अंकेक्षण पर श्री प्रेम दास वर्तमान पंचायत सदस्य जो पूर्व अवधि में प्रधान पद पर आसीन थे, ग्राम पंचायत बल्देहों, डाकघर बल्देहों, तहसील व जिला शिमला, विकास खण्ड बसन्तपुर, जिला शिमला निम्न आरोपों में सरकारी अनुदान तथा पंचायत निधि के दुरुपयोग/अनियमितता व गबन करने के दोषी पाए हैं :—

1. यह कि श्री प्रेम दास, ग्राम पंचायत की इण्डियन बैंक पास बुक अनुसार दिनांक 10-2-1995 को मु0 37,000/- रुपये की राशि निकाल कर उसे दिनांक 10-11-1995 तक रोकड़ दर्जन करके राशि को 9 मास तक अपने पास अनाधिकृत रूप से रख कर अस्थायी गबन के दोषी पाए गए हैं।

2. यह कि श्री प्रेम दास गूड़ कर व राशन कार्ड के वर्ष 1990 के मु0 582/- रुपये रसीद संख्या 701 से 800 दिनांक शून्य तथा वर्ष 1991-92 के मु0 1749/- रुपये रसीद संख्या 201 से 300, 301 से

400 तथा 401 से 500 के अन्तर्गत कुल राशि मु० 2331/- रुपये है, परन्तु उक्त राशि को रोकड़ में इन्द्राज म करके पंचायत निधि के दुर्लभयोग/गवन के दोषी पाए गए हैं ।

3. यह कि उन्होंने श्री टिकम दास मुण्डा श्री मोलक राम जूग को बाबत दुकानों की पट्टी बनाने में मिट्टी हटाने हेतु दिनांक 28-8-92 को मु० 1500/- रुपये की गलत रूप से अदायगी की गई है क्योंकि इसी कार्य को मस्ट्रोल अनुसार दिनांक 28-2-94 को मांग 8/92 को अदायगी दिखाई है । अतः उपरोक्त कार्य की दोहरे रूप से अदायगी इन्द्राज करने पर मु० 1500/- रुपये के दुर्लभयोग करने के दोषी पाए गए हैं ।

4. यह कि बाबत विकास कार्य निर्माण दुकान मु० 1080/- रुपये मस्ट्रोल मांग 11/92 एवं मस्ट्रोल 10/93 अनुसार मु० 945/- रुपये की अदायगी श्री नारायण दाम पुत्र श्री मस्तिषा मिस्त्री की दर्शाई है, परन्तु मस्ट्रोलों पर राशि प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर नहीं है । अतः वह उक्त राशियों के दुर्लभयोग करने के दोषी पाए गए हैं ।

5. यह कि उन्होंने इण्डियन बैंक मशोबरा खाता में दिनांक 3-4-95 व 28-4-95 को रोकड़ में मु० 24,000/- रुपये राशि जमा दर्शाई है जबकि पास धुक अनुसार उक्त खाता में 16,000/- रुपये ही जमा हुए हैं । इस प्रकार मु० 8000/- रुपये बैंक में कम जमा करके राशि का उन द्वारा गवन किया गया है ।

6. यह कि बिल संख्या 7, दिनांक 9/94 के अन्तर्गत 10 टुक पत्थर के 1000/- रुपये प्रति टुक के हिमाचल से मु० 10,000/- रुपये की अदायगी कैश मेंमो लेकर बिल के अन्तर्गत की है और उम बिल पर राशि प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर भी नहीं है इस प्रकार मु० 10,000/- रुपये की अदायगी गलत ढंग से दिखाकर उन द्वारा राशि का दुर्लभयोग किया गया है ।

7. यह कि बाउचर संख्या 47 जो बाबत एक टुक रेत व 1/2 टुक रोड़ी की अदायगी क्रमशः मु० 1500/- रुपये व 1100/- रुपये कुल 2600/- रुपये की अदायगी श्री मेद राम गांधी नं० एच० पी०-07-0959 को दर्शाई गई है परन्तु बाउचर पर श्री मेद राम राशि प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर नहीं है । इस प्रकार उक्त राशि का उन्होंने गलत रोकड़ अदायगी दिखाकर दुर्लभयोग किया है ।

8. यह कि बाउचर संख्या 88 के अन्तर्गत श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री देवी राम, ग्राम सील को बाबत कार्य निर्माण दो अतिरिक्त कमरों की मृत्याव हेतु 10 चट्टे पत्थर हलान मु० 200/- रुपये प्रति चट्टा की दर से मु० 2,000/- बनता है जबकि अदायगी मु० 5,000/- रुपये रोकड़ दर्ज की गई है । इस प्रकार उन द्वारा मु० 3,000/- रुपये रोकड़ में अधिक दर्ज दिखाकर राशि का दुर्लभयोग किया है ।

9. यह कि श्री तुलसी राम से मु० 2,000/- रुपये की गत प्रकोषण पत्र अनुसार बसूली रोकड़ अनुसार प्राप्त की है । जिसे पेयजल छोड़ विकास कार्य में गलत खर्च दर्शाया है तथा मु० 200/- रुपये की बसूली श्री नारायण दास से करके उसी पृष्ठ पर उसे खर्च दर्शाया है । अतः मु० 2,200/- रुपये के झूठे व्यय दिखा कर उन द्वारा राशि का दुर्लभयोग किया गया है ।

10. यह कि श्री प्रेम दास तत्कालीन प्रधान द्वारा अपने पास अनाधिकृत रूप से मु० 13,000/- रुपये विभिन्न विकास कार्य के पेशगी के रूप में रख कर अनुदान राशि का दुर्लभयोग किया गया है । इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने मनमाने ढंग से अनाधिकृत पेशगियों बड़ी मात्रा में दे रखी है, जिसकी बसूली अथवा हिसाब प्राप्त करने के बारे उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की है ।

11. यह कि कई विकास कार्यों पर स्वीकृत अनुदान राशि से अधिक व्यय मनमाने ढंग से करके निधि का उनके द्वारा दुर्लभयोग किया गया है ।

12. यह कि खन द्वारा जवाहर रोजगार योजना लेखों के विभिन्न विकास कार्यों के विभिन्न मशीनों पर एक व्यक्ति को एक ही समय में दिनांक को दूधरे मशीन पर गहन दृष्टि करके व्यय क्रमण: मु0 484/- रुपये, 1,738/- रुपये तथा मु0 1,518/- रुपये कुल 4,092/- रुपये का वर्गीकरण राशि का दुरुपयोग किया गया है तथा मु0 5,000/- रुपये अनाधिकृत का ये शेषी देकर भी दुरुपयोग किया गया है।

अतः मैं, श्री0 सी0 फारका, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश पंचायत राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 के अधीन निहित है, का प्रयोग करते हुए, श्री प्रेम दास वर्तमान पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत अल्देयी, विकास खण्ड बगनापुर, तहसील व जिला शिमला को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज नियमावली, 1971 के नियम 77 के अधीन द्वारा पूर्ण अवधि में प्रधान पद की हैमियत में उपयोग कृत्यों के लिए कारण बताओ नोटिस देना हूँ कि क्यों न उन्हें पंचायत सदस्य पद से निरन्धित किया जाए। उनका उत्तर इस नोटिस के जारी होने के 10 दिनों के भीतर-भीतर विकास खण्ड अधिकारी, बगनापुर के माध्यम से इस कार्यालय को पहुंच जाना चाहिए अर्थात् यह समझा जायेगा कि वे अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहते और उनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही कर दी जाएगी।

कार्यालय आदेश

शिमला-2, 19 अगस्त, 1996

संख्या पी0 सी0 एच0 एम0 एम0 एल0 - (4)-27/77-1081-87.—यह कि ग्रामवासी चनोग के निम्नलिखित शिकायत पत्र पर संयुक्त निदेशक पंचायती राज विभाग हिमाचल प्रदेश द्वारा ग्राम पंचायत चनोग के अधिलेखों की प्राथमिक जांच करने पर श्री धर्मे सिंह प्रधान ग्राम पंचायत चनोग, विकास खण्ड मणोबरा सरकारी अनुदान तथा पंचायत निधि के दुरुपयोग करने के दोषी पाए जाने के फलस्वरूप उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज नियमावली 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस इस कार्यालय के आदेश समसंख्यक दिनांक 21-8-1996 को दिया गया था जिसका उत्तर इस कार्यालय में 30-8-1996 को प्राप्त हो गया था श्रीर खण्ड विकास अधिकारी मणोबरा की पैरा बाईज अन्तिम रिपोर्ट व कार्यालय रिकार्ड के आधार पर श्री धर्मे सिंह प्रधान के पैरा बाईज उत्तर की जांच करने पर उनका उत्तर संतोषजनक न पाए जाने के कारण तथा उक्त पदाधिकारी द्वारा शक्तियों का दुरुपयोग करके सरकारी अनुदान राशि व पंचायत निधि का दुरुपयोग/गहन करके प्रधान पद की गरिमा को ठग पहुंचाई है जिस कारण उनका प्रधान पद पर बने रहने से पंचायत के रिकार्ड में फेरबदल करने का अन्देश है, अतः उन्हें जनहित में प्रधान के पद पर बनाए रखना उचित नहीं समझा गया है।

अतः मैं, श्री0 सी0 फारका, उपायुक्त, शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री धर्मे सिंह प्रधान ग्राम पंचायत चनोग को प्रधान के पद से तत्काल निरन्धित करने का आदेश देता हूँ।

श्री0 सी0 फारका,
उपायुक्त, जिला शिमला।

कार्यालय उपायुक्त, जिला मिरमौर स्थित नाहून

कार्यालय आदेश

नाहून-173001, 16 अक्तूबर, 1996

संख्या पी0एम-2-मिल-126/79-4240-46.—क्योंकि श्री मन्त राम उप-प्रधान ग्राम पंचायत, मन्कोली, विकास खण्ड जिन्दाई द्वारा दिनांक 31-5-1996 को श्री अतिल कुमार पुत्र श्री मन्ती राम ग्राम बुम्बाड़ी, तहसील

जिलाई के पक्ष में अवैध जन्म निधि प्रमाण-पत्र जारी किया था जो उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं था जिस बारे में प्रारम्भिक जांच जिला पंचायत अधिकारी द्वारा की गई, जिसमें जांच अधिकारी द्वारा उपरोक्त पदाधिकारी श्री मन्त राम उप-प्रधान को बोली पाया गया जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा उसे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (बी) व ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अन्तर्गत आदेश संख्या पी एम-2-मिम-126/79-3494-98, दिनांक 27-7-1996 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

और क्योंकि श्री मन्त राम उप-प्रधान ने उक्त कारण बताओ नोटिस का उत्तर खण्ड विकास अधिकारी, जिलाई के माध्यम से इस कार्यालय को भेज दिया था, जिसमें खण्ड विकास अधिकारी, जिलाई ने यह स्पष्ट किया है कि श्री मन्त राम उप-प्रधान द्वारा जारी किया गया जन्म प्रमाण-पत्र अवैध है, और उसके क्षेत्राधिकार में नहीं था।

1. यह कि अनिल कुमार पुत्र श्री मनी राम, ग्राम थुम्बाड़ी, नहमील जिलाई का जन्म, जन्म रजिस्टर प्रमाण-11 हिमाचल प्रदेश जन्म/मृत्यु नियम 13 के अन्तर्गत जन्म रजिस्टर में दर्ज नहीं है।
2. यह कि श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मनी राम का इन्दाज परिवार रजिस्टर भाग-1 पृष्ठ संख्या 25 क्रम सं० 10 पर दर्ज नहीं है लेकिन श्री अनिल कुमार की जन्म निधि अंकित नहीं।
3. यह कि श्री मन्त राम, उप-प्रधान का यह कहना सरासर गलत व झूठा है कि उस द्वारा श्री अनिल कुमार पुत्र श्री मनी राम, ग्राम थुम्बाड़ी, नहमील जिलाई, जिला मिरमोर का जन्म प्रमाण-पत्र 11-5-1991 को परिवार रजिस्टर के आधार पर जारी किया गया है, श्री मन्त राम द्वारा प्रस्तुत नोटिस के जवाब में अधोहस्ताक्षरी सहमत नहीं है तथा उस पर लगाया गया आरोप निरव्यवह सिद्ध हो गया है जिसके फलस्वरूप श्री मन्त राम द्वारा उप-प्रधान जैसे गरिमा पूर्ण पद तथा अधिकारों व शक्तियों का दुरुपयोग किया है।

और उपरोक्त तथ्यों के दृष्टिगत यह समझा गया है कि श्री मन्त राम का उप-प्रधान पद पर जनहित में रहने का कोई औचित्य नहीं है, जिसके लिये उन्हें उप-प्रधान पद से जनहित में निलम्बित किया जाना आवश्यक है।

अतः मैं, प्रेम धीमान (भा० प्र० से०) उपायुक्त, जिला मिरमोर (नाहन), हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 145 (1) (बी) व हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम-पी सी एच-एच ए (3) 3/94, दिनांक 4-5-1995 के अन्तर्गत प्रस्ताव शक्तियों का प्रयोग करने हुए श्री मन्त राम उप-प्रधान ग्राम पंचायत, गखोली, विकास खण्ड जिलाई, जिला मिरमोर, हिमाचल प्रदेश को तत्काल एमबेदारा उप-प्रधान पद से निलम्बित करने के आदेश देता हूँ उन्हें यह भी आदेश दिया जाता है कि उनके पास पंचायत का कोई अभिलेख धन या अन्य सम्पत्ति हो तो ऐसे अभिलेख धन या सम्पत्ति को पंचायत मन्त्र को सौंप दे तथा उन्हें पंचायत की किसी भी कार्यवाही में भाग लेने से वर्जित किया जाता है।

प्रेम धीमान,
उपायुक्त,
जिला मिरमोर (हि० प्र०)।

